बाजार का स्वरूप अभिप्राय एवं विशेषता
(Forms of Market: Meaning and Features)

बाजार (Market) – बेनहम " बाजार शब्द का मतलब आम तौर पर किसी स्थान विशेष से [illegible] बाजार को किसी भौगोलिक स्थान से लगाया जाता था जहाँ वस्तुएँ क्रय-विक्रय की जाती थी। यहाँ उत्पादक एवं उपभोक्ता एक-दूसरे के सम्पर्क में आते हैं।

बाजार अर्थशास्त्र के अध्ययन की एक महत्वपूर्ण विषयवस्तु है। अर्थशास्त्र में बाजार शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थों में किया जाता है। हम यह कह सकते हैं कि बाजार वह समस्त क्षेत्र होता है जहाँ उत्पादक तथा उपभोक्ता परस्पर सौदेबाजी द्वारा वस्तुओं का विनिमय करते हैं।

कोई भी क्षेत्र जिसके अन्तर्गत क्रेता एवं विक्रेता प्रत्यक्ष अथवा व्यापारियों के द्वारा इस प्रकार एक-दूसरे के निकट सम्पर्क में हों कि बाजार के एक हिस्से में पाये जाने वाले मूल्य दूसरे हिस्सों के मूल्य को प्रभावित करें, बाजार कहलाता है। आधुनिक युग में वस्तुओं एवं सेवाओं का सौदेबाजी क्रय-विक्रय, टेलीफोन, इंटरनेट, डाक आदि अन्य संचार माध्यमों से भी सम्पन्न किया जाता है अतः ये भी बाजार के माध्यम हैं।

Market-: Market refers to a ---- place or area which where commodities are bought and sold. In economics the term market refer to the whole of region in which buyers and sellers of a commodity are in close contact to effect purchase and sale of the commodity.

Types of Market :-

On the basis of above Mentioned Criteria can be classified in four types

i) Perfect Competition :-
ii) Monopoly
iii) Monopolistic Competition
iv) Oligopoly

Perfect Competitions :-

the perfect Competitions Market in which buyers and sellers are large of Numbers.

Characteristics :-

i) There are many buyers and sellers in the market.

ii) Each Company makes a similar product

iii) Buyers and sellers have access to perfect information about price

iv) There are no transaction cost

v) There are no barriers to entry into or exit from the market.

जाति किस्म "जब प्रत्येक उत्पादक की वस्तु की माँग अनन्त: लोचदार होती है तो वह बाजार पूर्ण प्रतियोगिता बाजार कहलाती है"

(I) पूर्ण प्रतियोगिता का बाजार वह बाजार है जिसमें विक्रेताओं की संख्या की कोई सीमा नहीं होती। कोई भी उत्पादक भी बाजार में वस्तु की कीमत पर प्रभाव नहीं डाल सकता।

(i) प्रत्येक उत्पादक के द्वारा बनाई गयी वस्तु समान होती है।

(ii) किसी भी नये उत्पादक के बाजार में आने तथा बाजार में उपस्थित किसी उत्पादक के बाजार से निकलने पर कोई रोक नहीं होती है।

(iv) बाजार में विद्यमान क्रेता व विक्रेता को बाजार का पूर्ण ज्ञान होता है।

(1) MONOPOLY -!

एकाधिकार बाजार! (Monopollein)

Monopoly शब्द की उत्पत्ति ग्रीक के शब्द MONO का अर्थ एक तथा Pollein का बाजार।

वैसा बाजार जिसमें एक विक्रेता एवं अधिकतम संख्या में क्रेता मौजूद हो।